University in News on 15 June 2021

University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

100 Years 1920-2020

i-NEXT PAGE 4

i SPECIAL

कोरोना संक्रमण के कहर के बीच भी स्टूडेंट्स और लोगों को

कोरोना से लड़ने के गुर सिखाती रहीं यूनिवर्सिटीज

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (14 June): कोरोना काल में शिक्षण संस्थान अपनी जिम्मेदारियों से पीछे नहीं रहे. इस दौरान उन्होंने लोगों को न सिर्फ योग की ट्रेनिंग दी बल्कि इम्युनिटी बढ़ाने की जानकारी देने के लिए कई वेबिनार भी किए. यही नहीं कोरोना की गंभीरता से समझते हुए हेल्थ से जुड़े करीब दर्जन भर से अधिक नए कोर्स भी शुरू किए. राजधानी की विभिन्न यूनिवर्सिटीज आज भी इस तरह के कार्यक्रम जारी रखे हुए हैं, जिनका फायदा टीचर्स, स्टूडेंट्स संग आम नागरिकों को भी मिल रहा है. पेश है पी. मारकंडेय की रिपोर्ट...

इंटरनेशनल वेबिनार

लखनऊ यूनिवर्सिटी ने कोरोना काल में स्टूडेंट से लेकर टीचर्स और पूरे स्टॉफ को जागरुक करने और समाज में जागरुकता फैलाने के लिए अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन करता रहा है. पिछले मार्च से अब तक यूनिवर्सिटी ने रिकार्ड 29 वेबिनार का आयोजन किया गया.

ऑनलाइन योग ट्रेनिंग

लॉकडाउन के दौरान लोगों की इम्यूनिटी बढाने के लिए एलयू ने दर्जन भर से अधिक बार ऑनलाइन योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम से हजारों लोगों ने योग के बारे में जाना और इसे सीखा.

दी मनोवैज्ञानिक सलाह

नकारात्मक खबरों से घिरे स्टूडेंट और टीचर्स के मनोबल को मजबूत बनाए रखने के लिए यूनिवर्सिटी ने मनोवैज्ञानिकों का पैनल ही उतार दिया. सप्ताह के सातों दिन अलग-अलग समय पर मनोविज्ञान के जानकारों को फोन और इंटरनेट के माध्यम से स्टूडेंट और टीचर्स से जोड़े रखा गया.

आयुर्वेदिक चिकित्सक नियुक्ति

कोरोना काल में बीबीएयू और स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान के बीच योग को लेकर समझौता किया गया और इसके अंतर्गत यूनिवर्सिटी के योग और वेलनेस सेंटर में पहली बार आयुर्वेदिक चिकित्सकों की नियुक्ति भी की गई.

किन विषयों पर वेबिनार

- योग और इम्यूनिटी
- यौगिक क्रियाएं
- योग पर पुस्तक
- प्राकृतिक चिकित्सा
- तनाव प्रबंधन
- पोस्ट कोविड मैनेजमेंट
- षटकर्म हठयोग साधना
- प्राणायाम के लाभ
- महिला स्वास्थ्य और योग

शुरू हुए प्रमुख कोर्स

- बीए, बीएससी योग
- एमए, एमएससी योग
- पीजी डिप्लोमा इन योग
- सर्टिफिकेट इन योग
- बीएनवाईएस पांच वर्षीय कोर्स
- पीजी डिप्लोमा इन नेचुरोपैथी

अपनों को भी खोना पड़ा

कोरोना संक्रमण के दौरान यूनिवर्सिटी के कई टीचर और कर्मचारी संक्रमित हुए और इसमें से कुछ की जान भी गई. लखनऊ यूनिवर्सिटी के प्रो. वीके शुक्ला और प्रो. केसी पांडेय की कोरोना के कारण मृत्यु हो गई.

"कोरोना काल में लखनऊ यूनिवर्सिटी ने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया है और टीचर्स और स्टूडेंट्स के मनोबल को बढ़ाने का काम किया है. यूनिवर्सिटी ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा पर नए कोर्स भी शुरू किए हैं.

प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

बीबीएयू में योग और प्राकृतिक चिकित्सा को लेकर ऑनलाइन क्लास चलाई गई हैं. योग के जानकारों को लेकर कई बेवनार आयोजित किए गए हैं और यह क्रम अभी जारी है.

रचना भटनागर, प्रवक्ता, बीबीएयू

TOI PAGE 2

LU finalises flexible 4-yr UG course structure under NEP

Students Can Combine A Variety Of Subjects

Times News Network

Lucknow: The four-year undergraduate course structure finalised by Lucknow University on Monday will make learning fun for students by providing them opportunity to learn and acquire skills from a wide range of topics, covering all aspects of life – from traditional subjects, interdisciplinary research and vocational training to learning music, arts and social work.

Developed in accordance with the National Education Policy (NEP)-2020, the new structure will be implemented in LU and its 524 affiliated colleges in Lucknow, Rae Bareli, Hardoi, Sitapur and Lakhimpur Kheri districts covering over two lakh students from the next academic session starting September.

The four-year course will be divided into eight semesters – each having 24 credits – with the total of 192 credits. After every year (two semesters), there will be an option for the students to exit, take a break and join after a gap to complete the course.

Depending on the duration of the course studied, a student will get certificate, diploma or a degree.

"This means that even a year's study will not go waste. A student will get employment despite leaving the course midway. The new structure also involves massive open online courses," said dean, students' welfare, Poonam Tandon.

"Currently, a student gets a degree only after completing a three years' course. Dropping midway means no benefit at all," she added.

In the first four semesters, a student will be allowed to study the core subjects of her/his choice along with the electives from another stream, besides vocational courses, internship and co-curricular activities.

However, the last two semesters will be dedicated to thorough study, research and specialisation on the core subject opted by the student. NCC and NSS will also be a part of the curriculum.

"The idea is to open the minds of the students by exposing them to a wide range of subjects through classroom teaching, projects and practical, vocational training, co-curricular activities and internship, thereby helping them develop critical thinking and employability skills," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai.

Explaining the key difference between current course structure and the proposed four-year course, dean, academics, Prof Rakesh Chandra said: "It is not just about the number of years or flexibility of entry and exit, but also a choice to learn from wide range of subjects, thus giving wings to the imagination, dreams and abilities of students."

"Earlier, a student had to drag with three subjects of a stream – arts, science or commerce – through three years, but now subject combination will allow an arts student to learn commerce or science subjects, besides integrating classroom and vocational education. While studying core subjects, a student may also develop skills like photography, museology, rural and urban cartography, food processing, tribal art and hospitality etc," he added.

POLICY SHIFT FOR STUDENTS

FINAL STRUCTURE OF LUCKNOW UNIVERSITY'S FOUR-YEAR UNDERGRADUATE COURSE IN ACCORDANCE WITH THE NATIONAL EDUCATION POLICY 2020

192 Total credits in four-year UG course | **24** Credits in 1 semester

FIRST TWO YEARS | Two major subjects will have 16 credits and a minor subject 4 credits. Co-curricular courses in the second semester and vocational courses in the fourth of 4 credits each will be taught

THIRD YEAR | Two major subjects of 20 credits each. An assessment based on an internship in the fifth semester and a minor project carrying 4 credits each will follow

LAST YEAR | One major subject of 24 credits. Last semester of the course will be dedicated to research with 24 credits for dissertation.

FINAL YEAR will be in sync with PG course

WHAT'S NEW

MAJOR | Main specialization or core subject in undergraduate course

MINOR | Secondary subject that can be an elective from the same stream or from other stream

CREDIT | One hour of theoretical and 30 hours of practical teaching as per UGC

CO-CURRICULAR COURSE | NCC/NSS, dance, music, theatre, etc, for which credits will be awarded

VOCATIONAL COURSE: A skill that will help in better employability, such as beekeeping in zoology, laboratory work, etc

Developed in accordance with the National Education Policy, the structure will be implemented in LU and its 524 affiliated colleges covering over 2 lakh students from the next academic session

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

गरीब बच्चों के परिवार को बांटा राशन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने सोमवार को गोद लिए बच्चों व उनके परिवार के सदस्यों को कोरोना की तीसरी लहर के प्रति जागरूक किया। साथ ही उन्हें दीनदयाल उपाध्याय शोध पीठ के सहयोग से एक महीने का राशन वितरित किया गया। विभागाध्यक्ष अनूप कुमार भारतीय ने बताया कि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और कुलपति प्रो. आलोक राय के निर्देशों के अनुसार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन रिसर्च एसोसिएट डॉ. रूपांजना वर्मा ने किया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN PAGE 5

बीएड थर्ड सेमेस्टर के परिणाम जारी

लखनऊ। एलयू ने सोमवार को मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट, बीएड और एमसीए के सेमेस्टर के परिणाम जारी कर दिए हैं। लविवि की अधिकारिक वेबसाइट पर मास्टर ऑफ विजुअल आर्ट तीसरे सेमस्टर, बीएड तृतीय सेमेस्टर एवं एमसीए फर्स्ट सेमेस्टर के परिणाम अपलोड कर दिए गए हैं। लविवि की वेबसाइट lkoniv. ac. in पर परिणाम देखे जा सकते हैं।